कांग्रेसः बदलाव अब नहीं तो कब?

पश्चिम बंगालः खतरे आग से खेलने के

खानपानः जंक फूड बना जी का जंजाल

60 रुपए

30 अप्रैल, 2025

इंडिया टुडे

नियमों के झमेले

लालफीताशाही के खात्मे की दरकार

हमारे उद्योग विश्वव्यापी व्यापार युद्ध का भरपूर लाभ उठा सकें, इसके लिए बेहिसाब नियम-कायदों में तुरंत बड़े पैमाने पर काट-छांट की जरूरत. ये भारत के आर्थिक विकास की राह के रोड़े बने

CamScanner

उत्तराखण्ड शासन

डेस्टिनेशन उत्तराखण्ड

सतत विकास को प्रोत्साहन

सेवा, सुशासन एवं विकास के 3 साल

"हमारा लक्ष्य उत्तराखण्ड को एक विकसित और आत्मनिर्भर राज्य बनाना है। हम जो भी कदम उठा रहे हैं, वह इसी लक्ष्य के अनुरुप है। पिछले तीन वर्षों में हमने सेवा, सुशासन और विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। हर क्षेत्र में प्रगति सुनिश्चित की है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ...र्शन में हम मजबूत, समृद्ध और सक्षम उत्तराखण्ड के ...र प्रतिबद्ध हैं।"

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

"21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को मजबूत कर रहा है। यह दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।"

सफलता के तीन साल:

निरंतर विकास और समृद्धि पथ पर तीव्र गति से अग्रसर उत्तराखण्ड

सकारात्मक बदलाव के तीन वर्षों का उत्सव मनाते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार ने पर्यटन, कनेक्टिविटी, शिक्षा, उद्योग और महिला सशक्तिकरण की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। साथ ही, समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए राज्य ने नए मानक स्थापित किए हैं।

उत्तराखण्ड अपनी प्राकृतिक भव्यता, आध्यात्मिक विरासत और समृद्ध संस्कृति के कारण विश्व का ध्यान आकर्षित करता रहा है। देवभूमि के रूप में विख्यात उत्तराखण्ड देश के दिल में एक अद्वितीय स्थान रखता है। राज्य चार धाम (केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री) सहित कई अन्य प्रतिष्ठित तीर्थस्थलों के लिए भी जाना जाता है। अपनी परंपराओं, इतिहास और जैव विविधता को समेटे हुए उत्तराखण्ड विकास की नई तस्वीर प्रस्तुत कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी क्षमता को विस्तार दिया है। राज्य सरकार ने सफलतापूर्वक अपने तीन साल पूरे करने के साथ ही सतत विकास, वित्तीय विकास और सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में परिवर्तनकारी बदलाव लाए हैं।

उत्तराखण्ड की प्रगति को लेकर धामी सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है कि वह ऐसा राज्य बनाना चाहते हैं, जो न केवल पर्यटन और आध्यात्मिकता का केंद्र हो, बल्कि सुशासन, नवाचार और समावेशिता के नए मानक गढ़े। राज्य सरकार सुदृढ़ नीतियों को लागू करके उद्यमशीलता, बुनियादी ढांचा, निवासियों को बेहतर जीवन और रोजगार उपलब्ध कराने के लिए निरंतर काम कर रही है। साथ ही,

CamScanner

पर्यटन, कनेक्टिविटी, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में भी विशिष्ट उपलब्धियां हासिल की हैं। ऐसे में उत्तराखण्ड की प्रगति अन्य राज्यों के लिए आदर्श उदाहरण प्रस्तुत कर रही है। अपने तीन वर्ष के कार्यकाल में धामी सरकार ने कई बेमिसाल उपलब्धियां हासिल की हैं। उनकी यह उपलब्धियां विकास के दृढ़ संकल्प और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता का ही प्रमाण हैं। उत्तराखण्ड सरकार ने जहां एक ओर बुनियादी सुविधाओं पर ज्यादा बल दिया है, वहीं दूसरी भविष्य के बुनियादी ढांचे के विकास पर भी पूरजोर प्रयास किए गए हैं, जो समग्र विकास को दर्शाते हैं। इनमें पर्यटन, कनेक्टिविटी, युवा कल्याण, निवेश और महिलाओं को समानता जैसे विषयों पर विशेष बल दिया गया है। धामी सरकार की इस यात्रा में सेवा, विकास और सुशासन की छवि साफ झलकती है, जोकि सरकार के अडिग समर्पण पर बल देती है, जो उत्तराखण्ड की उन्नति और समृद्धि का मजबूत आधार तैयार कर रही है।

धामी सरकार के तीन साल पूरे होने पर ...ी ने की रोजगार नीतियों और युवा ...ी घोषणा

...ष्कर सिंह धामी के बेमिसाल तीन ...ने पर देहरादून के परेड ग्राउंड में एक ... कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें रोजगार और युवा कल्याण के लिए महत्वपूर्ण प्रयासों की घोषणा की। मुख्य घोषणाओं में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए आर्थिक सहायता और प्रशिक्षण, उपनल और संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण के लिए ठोस नीति बनाने और स्थानीय ठेकेदारों को 10 करोड़ रुपये तक की सरकारी परियोजनाओं का विशेष आबंटन शामिल है।

हरित खेलों से जुड़ी अभिनव पहल

मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार ने 38वें राष्ट्रीय खेलों का सफलतापूर्वक आयोजन किया। राज्य ने 38वें राष्ट्रीय खेलों में न केवल शानदार एथलेटिक प्रदर्शन किया, बल्कि हरित खेलों की थीम से जुड़ी अभिनव पहलों के माध्यम से भी धूम मचाई। स्थायी प्रथाओं से लेकर स्थानीय संस्कृति और महिलाओं के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने तक किए जा रहे राज्य के प्रयासों ने राष्ट्र का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। यहां तक कि प्रधानमंत्री मोदी ने भी इन पहलों की प्रशंसा की है।

मुख्यमंत्री ने कथित तौर पर अपने राज्य के लोगों से एक पारदर्शी और जवाबदेह सरकार देने का वादा किया है, ताकि इसे भ्रष्टाचार-मुक्त राज्य बनाया जा सके और गरीबी उन्मूलन के लिए ईमानदारी से कार्य किया जा सके। साथ ही, प्रधानमंत्री द्वारा उत्तराखण्ड के लिए निर्धारित विकास की दृष्टि को साकार करने के लिए प्रयासरत रहने का आश्वासन दिया है।

युवा शिक्षा और रोजगार से आने वाली पीढ़ियों को बना रहे सशक्त

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में युवाओं को सशक्त बनाने और कुशल कार्यबल को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया जा रहा है।

उत्तराखण्ड सरकार ने शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिससे यह सुनिश्चित हुआ है कि यहां के युवाओं को बेहतर भविष्य के लिए आवश्यक कौशल और अवसर उपलब्ध कराए जाएं। राज्य सरकार इसमें प्रदेश की प्रगति को देखते हुए इस दिशा में कार्य कर रही है।

सरकारी नौकरियां: पिछले तीन वर्षों में लगभग 20,000 युवाओं को सरकारी नौकरियां मिली हैं। इससे राज्य में बेरोजगारी दर में 4% की कमी आई है।

सौर-स्वरोजगार योजना: मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना के अंतर्गत 133 मेगावाट क्षमता के सौर संयंत्रों के लिए 750 आबंटन पत्र आबंटित किए गए हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाएं सृजित हो सकेंगी।

उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति: मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना शुरु की गई है। इसके तहत 100 मेधावी पीएचडी छात्रों के लिए 5,000 रुपये की मासिक छात्रवृत्ति को मंजूरी दी गई है।

वर्चुअल क्लासेज: 500 सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में वर्चुअल क्लासेज चलाई जा रही हैं, जिससे सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले छात्रों को भी बेहतर शिक्षा मिल पा रही है।

CamScanner